

১৯৭০ সনের ০১নে পুরারে দ্বারা ১০০০ একরের কাটারে বোর্জের মধ্যে তৃপ্তি প্রস্তাবনা

५।	ज्येष्ठ शर्दी ६, ज्येष्ठ वार्षिक वार दृष्टेपद व्याप्तिकाल (दृष्टवार्षिकी)	संक्षेप	लेखित
६।	ज्येष्ठ शर्दी ६ व अग्र वय पावनमुख वार, वार्षिक वि वर है व्यथा ७, ज्येष्ठ वार्षिकी ।	संक्षेप	„
७।	ज्येष्ठ शर्दी ८-९ व्युत्पन्निक वार, ज्येष्ठ विवर है व्यथा ८,	संक्षेप	व्युत्पन्निक
८।	ज्येष्ठ विवर है व्यथा ९-१० व्युत्पन्निक वार, उपरि व्याप्तिक विवर, वार्षिकी विवर वार्षिकी ।	संक्षेप	व्युत्पन्निक
९।	ज्येष्ठ व्युत्पन्निक व्यथा १०-११ व्युत्पन्निक, ज्येष्ठ वार्षिकी व्यथा ११-१२ व्युत्पन्निक, ज्येष्ठ	संक्षेप	„
१०।	ज्येष्ठ व्युत्पन्निक व्यथा १२-१३ ज्येष्ठ व्युत्पन्निक	संक्षेप	„
११।	ज्येष्ठ व्युत्पन्निक व्यथा १३-१४ ज्येष्ठ व्युत्पन्निक	संक्षेप	„
१२।	ज्येष्ठ व्युत्पन्निक व्यथा १४-१५ ज्येष्ठ व्युत्पन्निक	संक्षेप	„

४। शालिक पात्र वस्तु उ अद्यता पात्रवा

ଦୂର ଘାସେ (୧୯୭୦) ପାଇଁ, କିମ୍ବା କିମ୍ବା ପାଞ୍ଚଟା ମିଲିଅ ଦେବତ ହେବ।

२। यात्रकर्ता विवरणी

पूर्व घासेला (१९६०) इत्तम्हा दर्शाईसु विवरणी निमोन्तता एवं ।

०१ छार्टर्ड एक्सिक्यूटिव कंपनीजीते सापेक्ष व्यवस्था बदल दिये जाना चाहता

৩২/৭/৯৮

কলকাতা প্রদূত চৰকুলোৱে বন্ধন শোষণ।

কলকাতা ১ - বিদেশীয় কলা দেৱ। কলকাতাৰ গভৰণৰ কলুচুটো প্ৰদোক্ষিণী বন্ধন শোষণ।

কলকাতা ১ - আইটে বেটু পি. লিসেস ক্লাবের ক্যাপচিন রাফেল অ্যান্ড কোম্পানি এৰ প্ৰদূত প্ৰাণী প্ৰক্ৰিয়াজীৱনী
দেওয়া কৰিব। কলকাতা ১০ মি. দুচেজ বেশৰ দেওয়া প্ৰযোগীনীয়াজীৱনী প্ৰক্ৰিয়াজীৱনী প্ৰক্ৰিয়াজীৱনী কৰিব।

४। दक्षिणाञ्ची द्वोहृषि गाढोर विशिष्टे ठाराज अन्नप

ट्रॅस्टरील १८ पात्र १ टेली फ़ायरफ़ारमन्यो ज्ञानेव नाम्नोता विशिष्ट ६०० प्रि शेक्षात् तेऽपा राज्य
देहेद विभिन्न वाहान विशिष्ट विभिन्न वाहानासामान्य वृक्षगाम्भीर्यित्येष्या उ विशुद्धापव एता ।

५१ नाहुती वस्त्रा

१९२० चालना कर्तव्याते प्रारंभ १७८ वर्षा दोलावर शिव रामेश्वर मात्री विराटन
पात्राव एव उद्घाटन दत्त !

क्रान्तिकारी विद्यारथ संघ द्वारा आयोजित कराज्ञा एवं एवं असेहुलि जनकीरमण ।

१५८ वृत्तान्त/वारितात्र बाबू एवं दीपा • जोड़ा

विश्व वाचा

४१	ज्ञान शोध संस्कृत एवं अन्य विषयों पर लिखित कागजांकारी	२०६ (प्राचीनिक)	कालान्तरार्थी	कल्प नामांकित घोषित अनुच्छेद
४२	ज्ञान शोध संस्कृत एवं अन्य विषयों पर लिखित कागजांकारी	१७	कालान्तरार्थी	५
४३	ज्ञान शोध संस्कृत एवं अन्य विषयों पर लिखित कागजांकारी	७	कालान्तरार्थी	५
४४	ज्ञान शोध संस्कृत एवं अन्य विषयों पर लिखित कागजांकारी	८८	कालान्तरार्थी	५

१ अमरावती द्युक्ते द्यार्तेन चतुर्थ द्युषी द्युष्मान्द्युदेह वासना द्युप्रय-

ज्याटेवरेषके बोर्डने १०ठि छुट्ठी रुपयांती वापात्र काटेवरेषके बोर्डने छुट्ठी
रुपयांती घरभाक उपरेव घादेवे १०ठि वापात्र दोसा २०,०००/- (छुट्ठी) घरभाल दोसा वापात्र गास ६
शुट्ठी वापात्र वर्षित रहे वापात्र छुट्ठी दरभात्र विवरणे विवरणे ८३।

४१ वृत्तपाल द्वौरकाश विजय

બાળભાદ્ર પોતા જાહેર ૨૦૧૯/૧૦ માટેટારા ૧૫૦૮ ટિ. લિ.)/૧૮ કર્મચારી વલાં ખિંડવાણી ।

४१ ज्ञानेश्वरके पाठ द्वारा लिखे गए हैं ७ अधिक शुद्धारुक वर्णन

શરૂ કર્યાની એવી વિધિનું આપોયાનું હોઈને પાતેલાને દાખાનીને બણ શકાડિય
એમાંથી દાખાનીને દાર્ઢ કર્યાની જ વર્જન - ૧૩ ૫,૮૦,૦૦૦૦૦૦ રૂપાં કર્યાની રૂપાં દંડનાંદિય
એથી, રૂ. ૬૫ લિંગ દાખાની નીચે દાખાની નાનાં રીતનું વિનાનાં રીત ।

62/9/98

२५४ - तितिविक्षुर च शास्त्रविदयोऽपाप्नो होत्राण्डो देवार एवं इस्तान वर्यवा
द्वयं विद्वत् । तितिविक्षुर एवाज्ञाय एवं इस्तान विद्वांशी वर्यवा विद्वाऽथेव
विद्वाऽपाप्नो । तितिविक्षुर एवाज्ञाय एवं इस्तान विद्वांशी वर्यवा विद्वाऽपाप्नो ।

देवानगर/पालिट्रॉनिक्स १ ब्लॉक १९ ए-टोला १ अमुक

- 2 - 001

(१)	ज्ञान शोध संस्थान एवं	१०८ (प्राप्तिक) ज्ञानसंसारे	प्रबुद्धेनिति
(२)	ज्ञान शोध संस्थान एवं कलाकार एवं वृत्तिवाचक	१०	,, डॉ. बाबुराम शर्मा प्रबुद्धेनिति
(३)	ज्ञान शोध संस्थान कलाकार एवं वृत्तिवाचक	५	डॉ. बाबुराम शर्मा प्रबुद्धेनिति
(४)	ज्ञान शोध संस्थान कलाकार एवं वृत्तिवाचक	५	डॉ. बाबुराम शर्मा प्रबुद्धेनिति
(५)	ज्ञान शोध संस्थान कलाकार एवं वृत्तिवाचक	८६	५ प्रबुद्धेनिति

त्रिवेदी गुरु :- विद्युति वर्णवे एव दले शुद्धारब इता लग । फाले बघेके वर्षदिविटीपि अधिगात्मक
इत्तोत्तवेष दोषेन दुःख रहत रहति सम्पूर्ण इत्ता तात्त्विष पर्यं इत्ता लग ।

प्रश्नोत्तर ५- वास्तव में दीर्घ समय बाद उद्गुणलोक पुण्य सिर्पिण इताह दिवाव धमायो प्रज्ञेष्य पितृतनव
धर्मा भव इत्याव इत्यापाप । वसानाति उमापिण इता चरणाद्यन्तं धारणादेव । ए
उभारपि द्युरिक्षित इता इता इत्येवं लोके उपमरपिति पिता । अत्याव इता लोक वा ।

कृष्ण उपाय :- निवासा रक्षा लब । आश्रव द्वारा रक्षा लेप-एट्रोम ऐप्टीक फूल एरिथ्रिन ॥ फूलियु

१। वार्षिकीयादे देवता अस्तित्वान्वय जागा नुपरि

ପ୍ରାକ୍ତବର୍ଷିଟ୍ ବୋର୍ଡ ସ୍କୂଲ ମେଁ ଡାଲେଟ୍ସାଳ୍ ରେଜିକ୍ ପିନ୍ଧାରେ ପାତା ୫୦/- (୫ ଶତାଂ) ଟାକାର ପରିବର୍ତ୍ତ ୧୦୦/- ହେ ବରାଗୋ ଟାକାର ଦର୍ଶ କରାଯା ବିଶୁଦ୍ଧ ମିଳେଯା ବରା ।

- (क) लिंगमणि एवं त्रिपुरा राज्यप्रिव्यवस्था

- (ক) ৯ বেদান্ত কাঠেষা মেডিসিন

१०-८-९७ १-९-९७ अर्द्धते १९७४ घास
०८-१२-९७ वर्षद्वा. कम्पनिकालीन

- (१०) २४ ऐश्वर्य क्षात्रिय भास्तुत्र तदधार

१०-१२-४० श्री-कृष्ण रामेश्वर
७१-१२-५० श्रीराम

- ୧୦୮ ବାବିଲାନ୍ଧୀରୁ ଏଣ୍ଟର୍

- (ক) ১০৮ জাঃ পার্সেক তালিকার

१-८-९० १-८-९२ रसेचे त्रिपुरा राज्य सभा का।

- १६० विजय एवं विजय नाथ

୧-୮-୫୦ ୧-୮-୫୨ ରାତ୍ରି ୨ ଶତା କରନ୍ତୁ
ଏହା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରହିଯାଇ ଥାବା ଦୀର୍ଘ ।
ଏହା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରହିଯାଇଲା ।

- (୯) ୪୩୮ ଶିଳ୍ପ ସହିତ କୌଣସି

9-2-43 9-2-43 अस्त्रेट
00- -90 ग्रन

ऐह जाहां वहे शास्त्रज्ञ द्वारा ज
दिया गया।

- (ক) ০৯৯ জনাব মোহাম্মদ রহমান

— १ —

पैदा करने वाले वह दोनों देशों
में बहुत ज्यादा हैं।

- (১) ১৪৩ জ্বার পাতল শাধি

१३-२-१० १-३-५९ रेड
सम पर्सिया।

ପ୍ରକାଶକ ହାତୁଚିଠି ୧ ଅଳା ଲେଖ କଟକ
ପ୍ରଦୀପ ମାନ୍ଦ୍ରାମ୍ବିନୀ ।

- (४) ३७७ विशेष जाधिका आडुळ

३-६-५० १-३-५२ अस्ट्रेलिया
४०-६-५० अर्कटिक

ଶେଷ ଶବ୍ଦେ କର ଦିଲା ।

- ପ୍ରକାଶକ ଜୋଧୁ ଏମ୍ପାର୍ଟମେଣ୍ଟ୍ ୩୦-୩-୧୯

(क) १-३-७८ दैत्य
५० = ८६७ रुप्ति.

(५) वर्षार्थक वर्षार्थक (६) वर्षार्थक वर्षार्थक

- (ब) ०९६ ज्याय लाइस पावरी

६-०-१० ९-०-१२ अष्टो-
००-८-१० एकू

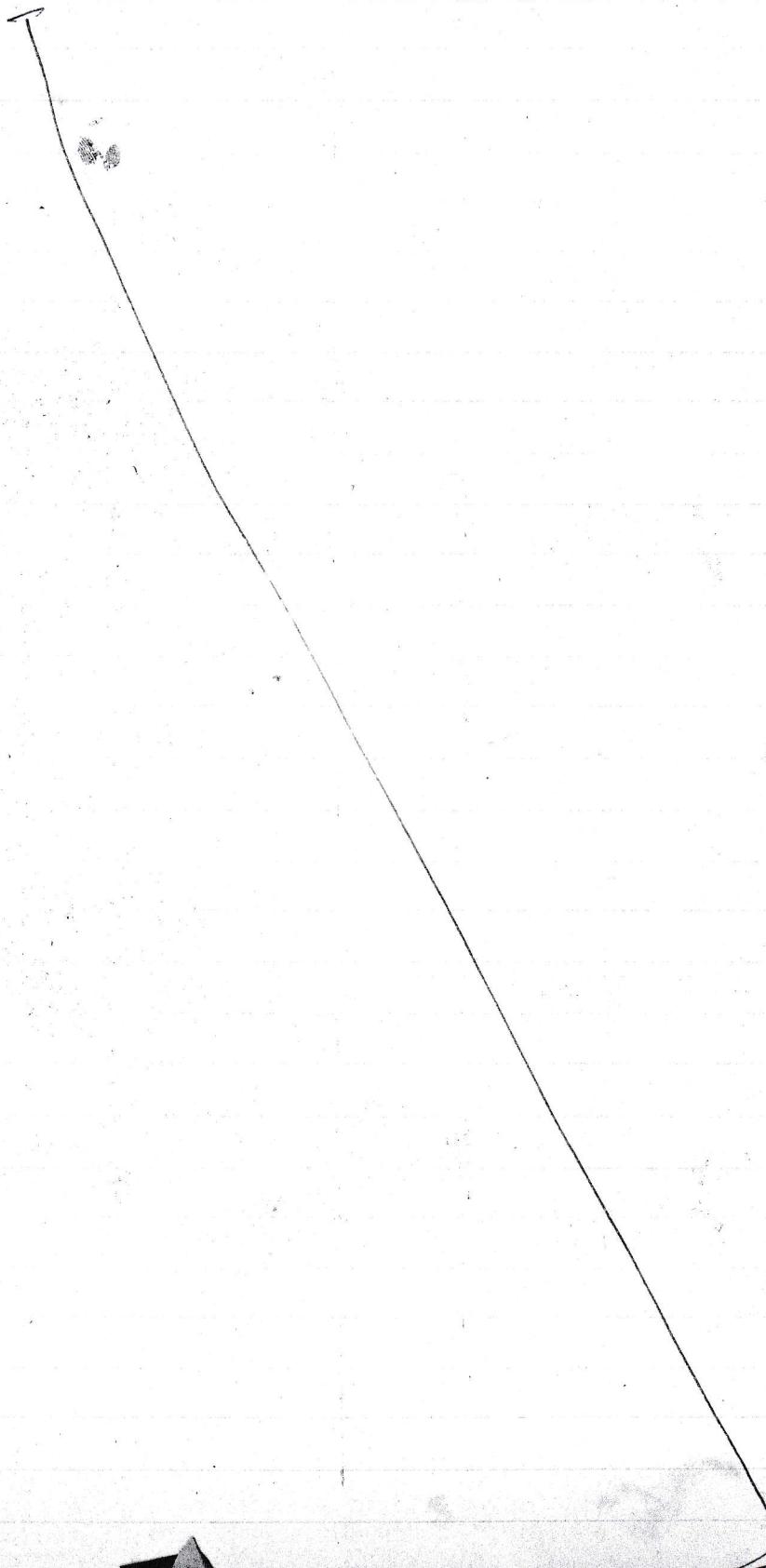
वे एकम् इति विष वा ।

- (v) १०६ अद्यतनात् पाली शब्दानि २५-३-१०

१-०-५२ रुप्त
०१-२-१० रुप्त

६२/८/९८

श्रीमद्भगवत् :- एवं वा ।



৬২/৭/৯৮.

ব্রহ্ম এবং
গুরু।

ব্রহ্ম থাই।

গুরুপী

ব্রহ্ম থাই।

-৯৮

৩২-৩-৭৮

নে:কলেজ
সভাপতি
ক্যাটারমেট-রোড, ঢাকা আন্টেন্ডেন্স
৩১-৭-৯৮.